सहीआं नहीं जांदीयां तेरीआ जुदाईयां वे

साडी गली आ वे श्यामा, अँखिआ विछाईया वे,
सहीआं नहीं जांदीयां तेरीआ जुदाईयां वे

हर पल हर घडी तेरिआं उडीकां ने,
तुहिओ दस पाईआं कानू लम्बीयां तरीकां ने ।
तेरे झूठे लारेयां ते आंखियां भर आईआ ने,
सहीआं नहीं जांदीयां...

याद तेरी दिल विचो कड नहीं सकदी,
प्रेम कित्ता दिलो तैनू छड़ वी नहीं सकदी ।
कित्ता की कसूर केहड़िया कितीयां बुराईयां वे,
सहीआं नहीं जांदीयां...

अपने प्यारेया नू ऐना नहीं रुलाईदा,
ला के गले नाल कदे हँसा वी लेना चाहिदा ।
आवेगा कदी ते आसा 'दास'' ने लगाइए ने,
सहीआं नहीं जांदीयां...

कवि : अशोक शर्मा दास
स्वर : कृष्ण दास भूटानी

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1617/title/sadi-gali-aa-ve-shayama-ankhiya-vichhaiya-ne-sahia-nahio-jandiya-teriya-judayia-ve

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |